NEWS CLIPPING: 23.08.2019

AMAR UJALA

ई-बुक्स का चलन डिजिटल युग में जरूरी

विद्यार्थी 9 हजार वार्षिक ई-बुक और जनरल से पढ़ाई कर सकेंगे

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय में पुरानी किताबों का नया वर्जन छात्र ई-बुक के माध्यम से पढ़ सकेंगे। विश्वविद्यालय ने पियरसन एजुकेशन और मेक ग्रॉ हिल एजुकेशन बुक स्टोर से 243 किताबों का अनुबंध किया है। 9 हजार वार्षिक ई-बुक के मिलने के बाद विज्ञान संकाय के 3500 विद्यार्थियों को फायदा होगा।

लाइब्रेरी की एक किताब एक समय पर एक ही छात्र को मिल पाती है। ई बुक को एक समय पर कई छात्र डाउनलोड कर पढ़ सकते हैं। जेसी बोस विश्वविद्यालय के चीफ लाइब्रेरियन डा. पीए बाजपेयी ने बताया कि ऐसा पहली बार है जब ई-बुक स्टोर से प्रिंटिड किताबों की तरह ई-बुक की खरीद की गई हो। इन बुक स्टोर से अनिलिमिटेड एक्सेस का अर्थ है कि एक साथ असंख्य विद्यार्थी असीमित समय के लिए यह ई-वर्जन किताबें पढ़ सकेंगे। चूंकि विवि में इंजीनियरिंग व विज्ञान संकाय के विद्यार्थी अधिक हैं, इसलिए सभी ई-किताबें विज्ञान संबंधी हैं। जोकि समय-समय पर अपडेट करना बेहद जरूरी है। खास बात है विवि के विद्यार्थी आईडी से किताब को डाउनलोड कर कभी भी कही भी इनका उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी में करीब 80 हजार प्रिंटिड किताबें हैं। कई किताबों को समय के साथ अपडेट करने की जरूरत है।

ई बुक्स की मदद से एक समय में कई विद्यार्थी एक ही बुक को पढ़ सकेंगे

ऐसे में ई-बुक चलन के चलन को प्रबंधन द्वारा अपनाया गया है। गत वर्ष एबस्को स्टोर से 5 हजार ई-बुक विद्यार्थियों के लिए सबस्क्राइब की गई थी। इसके अलावा 4 हजार ई-जरनल भी वार्षिक पैकेज पर सबस्क्राइब किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि ई-बुक का एक फायदा यह भी है कि एक साथ कई विद्यार्थी एक किताब को पढ़ सकते हैं। जबकि प्रिंटिड किताब को एक वक्त में एक ही व्यक्ति पढ़ सकता है। ईसलिए विश्वविद्यालय ई-बुक्स को अपनाकर डिजिटल लर्निंग और डिजिटल युग की ओर अपने कदम बढ़ रहा है।

NEWS CLIPPING: 23.08.2019

HDUSTAN

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस विश्वविद्यालय में गुरुवार को छात्रों ने इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान कई प्रोजेक्ट पेश किए। ● हिन्दुस्तान

छात्रों ने इंडक्शन में प्रोजेक्ट पेश किए

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में दाखिला लेने वाले बीटेक के छात्रों के लिए गुरुवार से तीन सप्ताह का इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान तकनीकी क्लब के छात्रों ने प्रोजेक्ट, सांस्कृतिक क्लब की ओर से फोटोग्राफी और कला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को बेहतरीन तरीके से कराने के लिए छात्रों को दो ग्रुप भी बनाए गए थे। इंडक्शन की शुरुआत योग और व्यायाम से की गई।

NEWS CLIPPING: 23.08.2019

PUNJAB KESARI

विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किए प्रोजेक्ट्स

नए विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

फरीदाबाद, 22 अगस्त (पूजा शर्मा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद बीटेक पाठ्यक्रम में दाखिल हुए नए विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए विद्यार्थियों को दो समूहों में विभाजित किया गया है और समानांतर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

वीरवार को तकनीकी क्लबों के विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित प्रोजेक्ट तथा सांस्कृतिक क्लबों द्वारा प्रदर्शित फोटोग्राफी एवं कला प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण रही। प्रदर्शनी के माध्यम से नए विद्यार्थियों को सीनियर्स के इनोवेटिव कार्य तथा कृतियों को जानने का मौका मिला। इससे पहले, विद्यार्थियों के दिन की शुरुआत योग और हल्के व्यायाम जैसी शारीरिक गतिविधि से हुई।

इंडक्शन कार्यक्रम में भाग लेते छात्र। (छाया: एस शर्मा)

औपचारिक सत्रों के दौरान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. अंजू गुप्ता और समन्वयक डॉ. रश्मि अग्रवाल ने महिला केंद्रित गतिविधियों पर प्रस्तुतियां दीं और विश्वविद्यालय द्वारा महिला सुरक्षा के लिए अपनाएं गए उपायों के बारे में अवगत कराया। दिन का सायंकालीन सत्र विद्यार्थियों को परीक्षा प्रक्रिया से संबंधित जानकारी देने के लिए परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव सिंह के लिए निर्धारित किया गया। कार्यक्रम के साथ-साथ ब्रिज कोर्स कक्षाएं भी आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्थानीय क्षेत्रों का दौरा भी करवाया जा रहा है। दिन के अंत में, विद्यार्थियों के लिए खेल और अतिरिक्त गतिविधियां आयोजित की गई। तीन सप्ताह तक चलने वाला यह कार्यक्रम डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. नरेश चैहान की देखरेख में इंजीनियरिंग विभागों की सक्रिय भागीदारी द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका संयोजन निदेशक, युवा कल्याण डा. प्रदीप डिमरी और डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. सोनिया बंसल कर रहे है। उल्लेखनीय है कि देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए गुणवत्ता उपायों के रूप में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा अनिवार्य इंडक्शन प्रोग्राम लागू किया गया है, जिसके तहत परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग संस्थानों में अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन अनिवार्य है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 23 August 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/42881020

NEWS CLIPPING: 23.08.2019

THE TRIBUNE

INCUBATION CENTRE AT YMCA VARSITY

Faridabad: The JC Bose University of Science and Technology, YMCA, will set up an incubation centre on the campus soon. Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar said this on the first day of the induction programme for new B.Tech students during his inaugural address on Tuesday. He said that the state government has sanctioned Rs 30 lakh to set up an incubation centre in the university. The alumni association of the university has also assured to contribute similar financial assistance for it. The incubation centre will provide the students assistance to develop and convert their innovative ideas into a successful start-up. Engineering students can also get assistance for their research projects under TEQIP-3 project, he added. The VC also urged the students to engage themselves in extra-curricular activities.

The Tribune Fri, 23 August 2019
https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING: 23.08.2019

DAINIK JAGRAN

इंडक्शन कार्यक्रम में प्रदर्शनी रही मुख्य आकर्षण

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए में बीटेक प्रथम वर्ष इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। बृहस्पतिवार को तकनीकी क्लब के छात्र एवं छात्राओं द्वारा प्रदर्शित प्रोजेक्ट तथा सांस्कृतिक क्लबों द्वारा प्रदर्शित फोटोग्राफी एवं कला प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण रही। प्रदर्शनी के माध्यम से नए विद्यार्थियों को वरिष्ठ के इनोवेटिव कार्य तथा कृतियों को जानने का मौका मिला और प्रेरित हुए।औपचारिक सत्रों के दौरान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. अंजू गुप्ता और समन्वयक डॉ. रश्मि अग्रवाल ने महिला केंद्रित गतिविधियों पर प्रस्तुतियां दी। डिजिटल इंडिया सेल की नोडल अधिकारी डॉ. नीलम दूहन ने क्रेडिट ट्रांसफर पॉलिसी, यूजीसी के स्वयं पोर्टल के बारे में जानकारी दी। तीन सप्ताह तक चलने वाला यह कार्यक्रम डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. नरेश चौहान की देखरेख में इंजीनियरिंग विभागों की सक्रिय भागीदारी द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका संयोजन निदेशक, युवा कल्याण डा. प्रदीप डिमरी और डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. सोनिया बंसल कर रहे हैं।